सब दरवाजे बन्द पए सी

सब दरवाजे बन्द पए सी खुली सी इक मौरी
मै औथो दी आ गई नी दातिए घर वालिया तौ चोरी

घर वाले ता रोकन मैनू रोकन बाहर वाले
अन्दर बैठी नाम जपेन्दी बाहरो ला गए ताले
तेरी कृपा दे नाल दातिए खुली सी इक मोरी
मैं औथो दी आ गई नी दातिए घर वालिया तो चोरी

तेरी मेरी प्रीत पुरानी ए दुनिया की जाने
तेरे दर ते ओन दी खातिर करदी रोज बहाने
तेरा दर मै छडना नहीओ ना कर जोरा जोरी
मैं औथो दी आ गई नी दातिए घर वालिया तो चोरी

नाम तेरे दा गहना पाया छडके छापा छल्ले
जे दाती तू दर्श दिखा दे हो जाए बल्ले बल्ले
तेरी मेरी प्रीत दातिए जीवे चाँद चकौरी
मै औथो दी आ गई नी दातिए घर वालिया तो चोरी

दासी नित्त सुनावे दुखडे भेटा राही गाके
तू माँ मेरी शेरावाली कष्ट मिटा दे आके
देखी किधरे टूट ना जावे ए स्वासा दी डोरी
मै औथो दी आ गई नी दातिए घर वालिया तो चोरी

uploaded by :- आशा (बरनाला)

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/2502/title/sab-darwaje-band-paye-ci-khuli-ci-ik-mori-main-otho-di-aa-gai-ni-datiye-ghar-valiyan-to-chori

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |